.. shrI yAdagiri laxmInRisi.nha ma NgaLAshAsanam ..

॥ श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गळाशासनम् ॥

Document Information

Text title : yAdagiri lakShmInRisi.nha ma.ngalAshAsanam

File name : yAdagirilaxminRisimhamangala.itx

Location : doc_vishhnu

Author : vA.ngIpuram narasi.nhAchArya

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com

Proofread by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com Great grandson of the composer

Latest update : December 15, 2004

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गळाशासनम् ॥

श्री यादगिरि शृंगाग्र गुहामध्य विहारिणे
सर्वलोकेश्वरायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ १ ॥

वामाङ्क विलसल्लक्ष्मीबन्धवे लोकबंधवे
सूरिभोग्याय यादाद्रि श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ २ ॥

शङ्ख चक्र प्रभामध्य राजद्विमलमूर्तये
श्री यादगिरिवासाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ३॥

गुहानिवसनात्सर्व हृद्गुहावास सूचनम्
कुर्वते सर्वलोकानाम् यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ ४॥

नित्याय निरवद्याय नित्यवैभवशालिने
नित्यवैभव दात्रेच श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ५॥

साधुलोक शरण्याय कामितार्त प्रदायिने
आर्तार्ति हरणायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ६॥

भुक्तिमुक्ति प्रदात्रेच शक्ति भक्ति प्रदायिने
निर्वाण सुखरूपाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ७॥

जगत्कर्त्रे जगत्भोक्ते जगद्रूपाय वेदसे
जगताञ्च निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ ८॥

अनेक कोटि ब्रह्माण्डैऽ'ः कंदुका क्रीडलीलया
केळीविलासलोलाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ९॥

सुरासुर नरानाम् च वानरानाम् च पक्षिनाम्
दीनानाम् रक्षकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ १०॥

दुश्टानाम् निग्रहम् चैव् शिष्टानाम् परिपालनम्
युगपत् कुर्वते लक्ष्मीनरसिंहाय मङ्गळम् ॥ ११॥

प्रपञ्च वृक्षबीजाय निष्प्रपञ्चाय मायिने
मायापनोदकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ १२॥

संतान दान दीक्षाय संतानाय फलार्तिनाम्
कौसल्या मुख्य संतानरूपिणे शुभमङ्गळम् ॥ १३॥

मङ्गळम् नरसिंहाय मङ्गळम् गुणसिंधवे
मङ्गळानाम् निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ १४॥

॥ इति श्री वांगीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं

श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गळाशासनम् समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram
vangeepuram@rediffmail.com

.. shrI yAdagiri laxmInRisi.nha ma NgaLAshAsanam ..
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*